डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी के वार्षिक साहित्योत्सव का शुभारंभ
संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन
साहित्य व्यक्ति की बौद्धिक खुराक है – अर्जुन राम मेघवाल
युवा लेखक सम्मिलन एवं भारतीय भाषाओं में प्रकाशन की स्थिति पर भी हुई परिचर्चा

नई दिल्ली। 10 मार्च 2022, साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले साहित्योत्सव का शुभारंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली अकादेमी प्रदर्शनी से हुआ, जिसका उद्घाटन माननीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने पूर्वाह्न 10.00 बजे किया। इस अवसर पर उपस्थित लेखकों एवं श्रोताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य व्यक्ति की बौद्धिक खुराक है। साहित्य परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है लेकिन वह समाप्त हो रहा है यह कहना गलत होगा। आगे उन्होंने कहा कि पुस्तकों के विषय युवाओं की रुचियों के अनुसार होने चाहिए और उन्हें देश के कोने–कोने तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने प्रदर्शनी का विधिवत् उद्घाटन किया। इससे पहले साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने माननीय मंत्री का स्वागत अंगवस्त्रम् एवं पुस्तक भेंट करके किया। आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने साहित्य अकादेमी की वर्ष 2021 की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अकादेमी ने पिछले वर्ष कुल 605 कार्यक्रम तथा 24 भाषाओं में पुनमुर्द्रण सहित 506 पुस्तकें प्रकाशित कीं। पुस्तकों की बिक्री के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2021 में अर्जित राजस्व रुपये 8,53,23,242/– था। साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने अपने वक्तव्य में कहा कि साहित्य अकादेमी लेखकों द्वारा लेखकों के लिए बनाई गई संस्था है और वह युवाओं को भी भरपूर प्रोत्साहन देती है।

आज 'युवा भारत का उदय' शीर्षक से अखिल भारतीय युवा लेखक सम्मिलन भी पूर्वाह्न 10.30 बजे प्रारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन वक्तव्य साहित्य अकादेमी के सामान्य परिषद् के सदस्य, येशे दरजे थोंगछी ने देते हुए कहा कि सूचना क्रांति ने युवा लेखकों के लिए अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ाए हैं, अतः वे अंतःप्रेरणा का अनुसरण करें। अकादेमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 26 युवा लेखकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रख्यात विद्वान, श्रीराम परिहार, पारमिता शतपथी, मृत्युंजय सिंह तथा सुरेश ऋतुपर्ण ने इस सम्मिलन के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की।

अपराह्न 2.30 बजे भारतीय भाषाओं में प्रकाशन की स्थिति विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई, जिसके विशिष्ट अतिथि प्रख्यात मराठी लेखक रंगनाथ पठारे थे। विभिन्न भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 6 प्रख्यात प्रकाशकों तथा लेखकों चंदना दत्ता, दर्शन दर्शी, हेमंत दिवटे, प्रभात कुमार, रमेश कुमार मित्तल तथा याकूब ने इस पैनल चर्चा में भाग लिया। उर्दू के प्रख्यात कवि श्री शीन काफ़ निज़ाम ने पैनल चर्चा का संयोजन किया। अपने स्वागत भाषण में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि प्रकाशन व्यवसाय में कई बड़े परिवर्तन हुए हैं लेकिन इसके चलते लेखक, पाठक और प्रकाशकों के रिश्ते प्रभावित नहीं होने चाहिए। तीनों पक्षों की पारदर्शिता से ही सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। प्रख्यात मराठी लेखक रंगनाथ पठारे ने अपने वक्तव्य मे कहा कि वर्तमान में लेखक और प्रकाशक का रिश्ता चिंताजनक है। इसके लिए उन्होंने लेखकों/पाठकों का अंग्रेज़ी के प्रति मोह और भारतीय भाषाओं के प्रति उनकी उपेक्षा को दोषी ठहराया। साथ ही तकनीक बदलाव और उसकी सहजता से बदले परिदृश्य में आशा व्यक्त की कि हालत सुधर सकते हैं। अन्य सभी प्रतिभागियों ने वर्तमान प्रकाशन स्थिति के लिए लेखक एवं प्रकाशकों दोनों को दोषी मानते हुए नई टेक्नोलॉजी के आधार पर उसमें सुधार की आशा व्यक्त की।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in